कुल लंबाई के वर्तमान अनुपात को बढ़ाने का विचार रखती है जोकि वहां की आदिवासियों की लगभग एक करोड़ पचास लाख की कुल आबादी के अनुपात में नगण्य है, ताकि आदिवासी विकास को बल मिल सके ; और

(ख) यदि हां, तो वे कौन-कौन से विचाराधीन क्षेत्र हैं जहां नये रेल पथों का निर्माण किये जाने की संभावना है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भक्त चरण दास) :

(क) और (ख) : जी हां । मध्य प्रदेश में मौजूदा रेल लाइनें कुछ जनजातीय क्षेत्रों को सेवित करती हैं जहां से वे गुजरती हैं । इसके अलावा, निम्नलिखित नई लाइन परियोजनाय मध्य प्रदेश में प्रगति पर हैं, जिनके कुछ हिस्से जनजातीय क्षेत्रों से भी गुजरेंगे :

क्र० सं०	परियोजना का नाम	लंबाई (कि०मी०)	दिसम्बर 90 तक प्रगति का प्रतिशत
1.	गुना-इटावा	348	28.5
2.	सतना-रीवा	50	51.00
3.	गोधरा-दहोद-इंदौर और देवास-मक्सी (मध्य प्रदेश) में 216 कि०मी०)	316	6.0

भिलाई इस्पात संयंत्र को लौह अयस्क के परिवहन के लिए दिल्ली-राजहरा-रोघाट (95 कि०मी०) नई बड़ी लाइन के निर्माण का भी इस्पात और खान मंत्रालय का प्रस्ताव है । इस संबंध में उनके द्वारा अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है । यह लाइन भी जनजातीय क्षेत्रों से गुजरेगी ।

Proposal for a Broad Gauge Railway Line from Hyderabad to Gooty

*193. DR. NARREDDY THULASI REDDY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) whether Government propose to construct a new broad gauge railway line from Hyderabad to Gooty via Dronachellam in Andhra Pradesh to minimise the distance in the supply of coal from Singareni collieries to Muddanuru Thermal Power Plant;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI BHAKTA CHARAN DAS): (a) to (c) No. Sir. A Preliminary Engineering-cwn-Traffic Survey for conversion of Guntur-Dronchellam MG section with parallel BG line between Kurnool-Dronachellam-Gunta-kal and a new BG line from Dronachellam to Gooty was carried out by South Central Railway in 1990. Similarly feasibility study for a parallel BG line between Secunderabad and Kurnool town was carried out by South Centra] Railway in 1990. As the survey and feasibility study have revealed inadequate traffic prospects and Railways are facing an acute resource crunch, there is no proposal to take up the project for the present.

नई रेल लाइन बिछाने के लिए परियोजनायें

***194. श्री दिनेश गोस्वामी :**

सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 31 मार्च, 1990 की स्थिति के अनुसार नई रेल लाइनें बिछाने की अनेकों परियोजनाय सरकार के विचाराधीन थीं ;

(ख) यदि हां, तो इन परियोजनाओं की कुल संख्या कितनी थी और इन परियोजनाओं के अधीन कितने किलोमीटर लंबी रेल लाइनें बिछाए जाने का प्रस्ताव था ; और

(ग) 31 मार्च, 1991 तक कितनी परियोजनाओं के पूरा हो जाने की संभावना है और उन परियोजनाओं की संख्या